उत्तरांचल सभी के लिए शिक्षा परिषद
प्रगति विवरण

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें. सब बढ़ें.

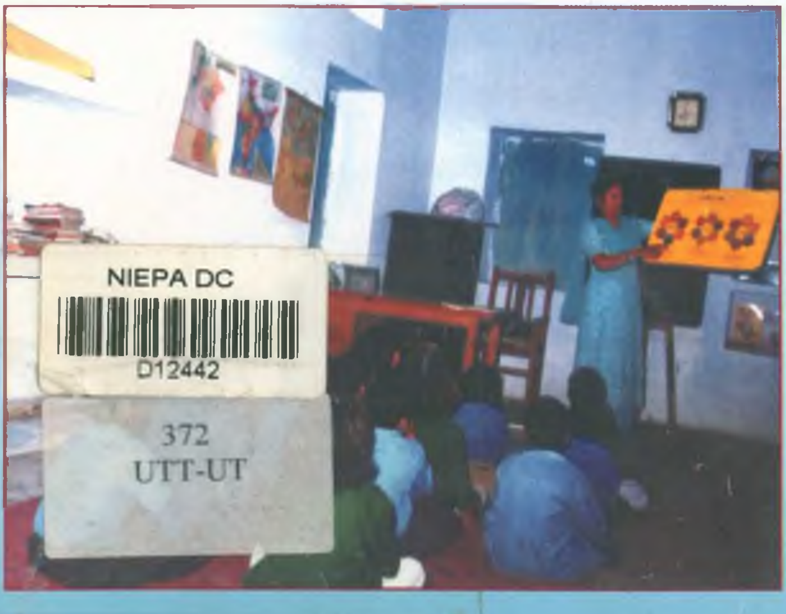

NIEPA DC
D12442
372
UTT-UT

राज्य परियोजना कार्यालय
शिक्षा संकुल, मयूर विहार,
सहस्रधारा रोड,
देहरादून।

उत्तरांचल - एक परिचय

उत्तरांचल राज्य का उदय भारतीय गणराज्य के 27 वें प्रान्त के रूप में 9 नवम्बर 2000 को हुआ। इससे पूर्व यह पर्वतीय क्षेत्र उत्तर प्रदेश राज्य का एक हिस्सा था। जहाँ इस राज्य के दक्षिण में उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम में हिमाचल प्रदेश स्थित है, वहीं दूसरी ओर इस राज्य की सीमायें पूर्व में नेपाल व उत्तर पूर्व में चीन देश की अन्तर्राष्ट्रीय सीमायें निर्धारित करती हैं। यह राज्य $77^{0}34'$ व $81^{0}02'$ पूर्वी देशान्तर व $28^{0}43'$ से $31^{0}27'$ उत्तरी अक्षांश के बीच मध्य हिमालय में स्थित है। भौगोलिक दृष्टि से राज्य का अधिकांश भाग पर्वतीय है। विषम भौगोलिक स्थितियों के कारण प्रदेश की अधिकांश आवादी छितरी हुई है। प्रदेश में वन सम्पदा का अकूत भण्डार है। यहाँ का तापमान $16^{0}C$ से $40^{0}C$ तक रहता है। उच्च पर्वतीय श्रृंखलाओं में वर्ष भर बर्फ जमी रहती है। इस राज्य में प्रसिद्ध तीर्थ बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, हेमकुण्ड साहिब, नानकमत्ता, कलियान पीर, हर–की–पैड़ी, रीठा साहिब इत्यादि स्थित है। पर्यटन की दृष्टि से यह राज्य देश में अग्रणी स्थान रखता है। यहाँ प्रसिद्ध पर्यटन स्थल फूलों की घाटी, गोमुख, पिण्डारी ग्लेशियर, रूप कुण्ड, नैनीताल, मसूरी, कौसानी इत्यादि स्थित हैं। देश की प्रसिद्ध नदियों गंगा, यमुना का उदगम स्थल भी यहीं स्थित है।

प्रदेश का सक्षिप्त परिचय निम्नवत है :–

- भौगोलिक क्षेत्रफल – 53,483 वर्ग किमी0
- मण्डल – 02
- जनपद – 13
- तहसील – 49
- विकासखण्ड – 95
- म्युनिस्पिल एरिया – 71
- न्याय पंचायत – 676
- ग्राम पंचायत – 6805
- आवाद ग्राम – 15669
- जनसंख्या घनत्व – 159 प्रति किमी

- **जनसंख्या**

  कुल – 8479562

  महिला – 4163161

  पुरूष – 4316401

- **साक्षरता दर**

  कुल – 72.28

  महिला – 60.26

  पुरूष – 84.01

उत्तरांचल सभी के लिए शिक्षा परिषद

सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के अन्तर्गत 17 फरवरी 2001 को पंजीकृत एक स्वायत्तशासी संस्था।

परिषद के उद्देश्य

- *उत्तरांचल में प्रारम्भिक शिक्षा के सर्वसुलभीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु भारत सरकार एवं राज्य सरकार के सहयोग से शिक्षा सम्बन्धी विभिन्न परियोजनाओं का क्रियान्वयन करना।*
- *बालक–बालिका, स्त्री–पुरूष सम्बन्धी पूर्वाग्रहों, सामाजिक ऊँच–नीच के भेदभाव को दूर कर सभी बच्चों को स्कूलों में बनाये रखने का प्रयास करना।*
- *युवक–युवतियों में शिक्षा के उच्च स्तर को प्राप्त करने के लिए कौशल विकास हेतु विशेष कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करना।*
- *उत्तरांचल में सांस्कृतिक, पर्यटन, सूचना एवं संचार, कम्प्यूटर तकनीकी, विज्ञान एवं पर्यावरणीय शिक्षा को बढ़ावा देना तथा सामाजिक न्याय की भावना जागृत करना।*

उत्तरांचल सभी के लिए शिक्षा परिषद प्रबन्ध एवं नियोजन तंत्र

"उत्तरांचल सभी के लिए शिक्षा परिषद"

↓

कार्यकारिणी समिति

↓

कार्यक्रम समिति | वित्त समिति | निर्माण कार्य सलाहकार समिति | मूल्यांकन एवं अनुश्रवण समिति | शोध सलाहकार समिति

राज्य परियोजना कार्यालय

↓

जिला शिक्षा परियोजना समिति

↓

जिला परियोजना कार्यालय | जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान

↓

विकास खण्ड संसाधन केन्द्र

↓

न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र/संकुल संसाधन केन्द्र

↓

ग्राम शिक्षा समिति एवं स्कूल प्रबन्धन समिति (विद्यालय स्तर पर)

उत्तरांचल में प्रारम्भिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण हेतु परिषद द्वारा संचालित परियोजनाएँ

1. जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम **2. सर्व शिक्षा अभियान**

परियोजना के उद्देश्य

- *सभी बच्चों के लिए स्कूल, शिक्षा गारण्टी केन्द्र, वैकल्पिक शिक्षा स्कूल, "बैक टू स्कूल" शिविर की उपलब्धता।*
- *सभी बच्चे वर्ष 2007 तक पाँच वर्ष की प्राथमिक शिक्षा पूरी कर लें।*
- *सभी बच्चे वर्ष 2010 तक आठ वर्ष की प्रारम्भिक शिक्षा पूरी कर लें।*
- *संतोषजनक कोटि की जीवनोपयोगी प्रारम्भिक शिक्षा को विशेष महत्व*
- *बालक–बालिका असमानता तथा सामाजिक वर्ग–भेद को वर्ष 2007 तक प्राथमिक स्तर तथा वर्ष 2010 तक प्रारम्भिक स्तर पर समाप्त करना।*
- *वर्ष 2010 तक सभी बच्चों को विद्यालय में बनाये रखना।*

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम–III

प्राथमिक शिक्षा (कक्षा 1 से 5) के सार्वभौमीकरण हेतु विश्व बैंक सहायतित एवं केन्द्र पुरोनिधानित कार्यक्रम।

- **परियोजना लागत** – रु0 83.03 करोड़

  भारत सरकार – 85 प्रतिशत राज्य सरकार – 15 प्रतिशत
- **परियोजना अवधि** – अप्रैल 2000 से 31 मार्च 2003 तक
- **आच्छादित जनपद** – टिहरी, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, हरिद्वार, चम्पावत, बागेश्वर।

सर्व शिक्षा अभियान

प्रारम्भिक शिक्षा (कक्षा 1 से 8) के सार्वभौमीकरण हेतु केन्द्र पुरोनिधानित कार्यक्रम।

- **परियोजना लागत** – रु0 600.63 करोड़

  भारत सरकार नवीं योजना – 85 प्रतिशत, दसवीं योजना–75 प्रतिशत, ग्यारहवीं योजना–50 प्रतिशत

  राज्य सरकार नवीं योजना – 15 प्रतिशत, दसवीं योजना–25 प्रतिशत, ग्यारहवीं योजना–50 प्रतिशत
- **परियोजना अवधि** – 1 जनवरी 2002 से 31 मार्च 2010 तक
- **आच्छादित जनपद** – टिहरी, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, हरिद्वार, चम्पावत, बागेश्वर (कक्षा 6 से 8) अल्मोड़ा, नैनीताल, उ0सि0नगर, देहरादून, चमोली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी (कक्षा 1 से 8)

कार्यक्रमों के क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण हेतु विकेन्द्रित तंत्र

राज्य स्तर	–	राज्य परियोजना निदेशक
जनपद स्तर	–	अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक)/जिला परियोजना अधिकारी।
विकासखण्ड स्तर	–	सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं विकासखण्ड संसाधन केन्द्र समन्वयक
न्याय पंचायत/संकुल स्तर	–	न्याय पंचायत/संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक
विद्यालय स्तर	–	प्रधानाध्यापक प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालय

उत्तरांचल राज्य के गठन के उपरान्त महत्वपूर्ण कार्य

07 दिसम्बर 2000	''उत्तर प्रदेश सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद'' के सहयोग से देहरादून (उत्तरांचल) में डी0पी0ई0पी0–।।। प्रकोष्ठ की स्थापना की गयी।
फरवरी 2001	डी0पी0ई0पी0 प्रकोष्ठ द्वारा उत्तरांचल में सर्व शिक्षा अभियान की प्री प्रोजेक्ट एक्टिविटीज हेतु प्रस्ताव तैयार किया गया व भारत सरकार द्वारा अनुमोदन प्राप्त हुआ।
फरवरी 2001	सर्व शिक्षा अभियान से आच्छादित जनपदों में जिला परियोजना कार्यालयों की स्थापना की गयी।
17 फरवरी 2001	''उत्तरांचल सभी के लिए शिक्षा परिषद'' का सोसायटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के अन्तर्गत देहरादून में पंजीकरण किया गया।
22–28 अप्रैल 2001	विश्व बैंक एवं भारत सरकार के 13 वें ज्वाइंट रिव्यू मिशन द्वारा डी0पी0ई0पी0 जनपद हरिद्वार का भ्रमण।
अगस्त–सितम्बर 2001	सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत सभी 13 जनपदों की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट (2001–2002) की संरचना।
05–07 नवम्बर 2001	उत्तरांचल में सर्व शिक्षा अभियान हेतु वर्ष 2001–2002 के वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट के अप्रैजल हेतु भारत सरकार की टीम का उत्तरांचल भ्रमण।
20–24 नवम्बर 2001	विश्व बैंक एवं भारत सरकार के 14 वें ज्वाइंट रिव्यू मिशन द्वारा डी0पी0ई0पी0 जनपद उत्तरकाशी का भ्रमण।
मार्च–अप्रैल, 2002	06 डी0पी0ई0पी0 जनपदों के वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट 2002–03 तथा सर्व शिक्षा अभियान की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट 2002–03 की संरचना।
21–26 अप्रैल 2002	विश्व बैंक एवं भारत सरकार के 15 वें ज्वाइंट रिव्यू मिशन द्वारा डी0पी0ई0पी0 जनपद पिथौरागढ़ का भ्रमण।
मई–जून 2002	वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से कक्षा 6 से 8 तक की भाषा (हिन्दी), विज्ञान, इतिहास तथा भूगोल की पाठ्य पुस्तकों की संरचना।
अप्रैल–जून 2003	कक्षा 1 से 8 तक की पाठ्य पुस्तकों को उत्तरांचल के परिपेक्ष्य में संशोधित / परिवर्धित कर प्रथमबार उत्तरांचल शिक्षा विभाग द्वारा मुद्रण की कार्यवाही की गयी।
23–28 अप्रैल 2003	17 वें ज्वाइंट रिव्यू मिशन द्वारा डी0पी0ई0पी0 जनपद बागेश्वर का भ्रमण किया गया।
15–16 मई 2003	भारत सरकार की प्रेस टीम द्वारा जनपद टिहरी में सर्व शिक्षा अभियान, डी0पी0ई0पी0 तथा महिला समाख्या कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित गतिविधियों का क्षेत्रीय भ्रमण किया गया एवं राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार किया गया।
जुलाई 03	सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत सभी 13 जनपदों के पर्सपेक्टिव प्लान की संरचना।
सितम्बर 2003	सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी, जिला समन्वयक, बी0आर0सी0 समन्वयक तथा सी0आर0सी0 समन्वयकों की प्रतिनियुक्ति।
2 अक्टूबर 2003	जनपद हरिद्वार को नेशनल प्रोग्राम फोर गर्ल्स एजुकेशन एट ऐलिमेन्ट्री लेवल का शुभारम्भ।
दिसम्बर 2003	एन0आई0ए0आर0 मसूरी द्वारा सर्व शिक्षा अभियान जनपदों की बेस लाइन स्टडी सम्पन्न।
अप्रैल 2004	वर्ष 2003–04 की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट की संरचना तथा भारत सरकार द्वारा अनुमोदन।
अप्रैल 2004	एन0आई0ए0आर0 मसूरी द्वारा डी0पी0ई0पी0 जनपदों की मिडटर्म एसेसमेंन्ट स्टडी सम्पन्न।

परियोजना की उपलब्धियाँ– एक दृष्टि

क्र0सं0	कार्य का नाम	उपलब्धि
1.	नवीन प्राथमिक विद्यालय	550
2.	नवीन उच्च प्राथमिक विद्यालय (मॉडल स्कूल सहित)	401
3.	**शिक्षकों के पद सृजन**	
	(i) प्राथमिक विद्यालय (सहायक अध्यापक)	871
	(ii) प्राथमिक विद्यालय (शिक्षा मित्र)	947
	(iii) उच्च प्राथमिक विद्यालय (सहायक अध्यापक)	1471
4.	शिक्षा गारण्टी केन्द्र	743
5.	वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र	77
6.	**निर्माण कार्य (प्रगति)**	
	(i) नवीन निर्माण प्रा0वि0	475
	(ii) नवीन निर्माण उ0प्रा0वि0	179
	(iii) पुनर्निर्माण प्रा0वि0	543
	(iv) पुनर्निर्माण उ0प्रा0वि0	133
	(v) अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	1937
	(vi) चाहरदीवारी प्रा0वि0	493
	(vi) चाहरदीवारी उ0प्रा0वि0	419
	(vii) शौचालय प्रा0वि0	721
	(viii) शौचालय उ0प्रा0वि0	694
	(ix) पेयजल प्रा0वि0	1503
	(x) पेयजल उ0प्रा0वि0	306
	(xi) बी0आर0सी	52
	(xii) सी0आर0सी	28
7.	ई0सी0सी0ई0 केन्द्र	1478
8.	कम्प्यूटर एडेड लर्निंग कार्यक्रम	118
9.	लाभान्वित विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चे	19332
10.	मई 2002 में घर–घर सर्वेक्षण द्वारा विद्यालय से बाहर रह गये चिहनित बच्चे (6–14 वय वर्ग)	75000
11.	विद्यालयों/शिक्षा केन्द्रों में विद्यालय से बाहर रह गये बच्चों का नामांकन	47000
12.	मार्च 2004 तक विद्यालय से बाहर रह गये 6–14	28000

परियोजना प्रगति विवरण

जन जागरूकता अभियान एवं छात्र नामांकन

छात्र नामांकन वृद्धि

(सं0 लाख में)

प्रकार	घर–घर सर्वेक्षण मई, 2002	मई 2003	सितम्बर 2003
6–11 वय वर्ग			
कुल बच्चे	11.07	11.25	11.32
विद्यालयों में नामांकित	10.72	11.06	11.18
विद्यालय से बाहर	0.35	0.19	0.14
सकल नामांकन दर	96.84	98.31	98.76
11–14 वय वर्ग			
कुल बच्चे	5.84	5.94	6.01
विद्यालयों में नामांकित	5.44	5.63	5.87
विद्यालय से बाहर	0.40	0.31	0.14
सकल नामांकन दर	93.15	94.78	97.67

- मई 2002 में घर–घर सर्वेक्षण कर विद्यालय न जाने वाले बच्चों को चिह्नित किया गया ।
- प्रतिवर्ष माह जून–जुलाई में बालगणना कर ग्राम शिक्षा समिति द्वारा ग्राम शिक्षा पंजिका का अपडेशन किया जाता है।
- प्रतिवर्ष जुलाई माह के प्रथम पखवाड़े में जन जागरूकता व स्कूल चलो अभियान चला कर स्कूल से बाहर रह गये बच्चों को विद्यालयी केन्द्रों में नामांकित किया जाता है।

स्कूल चलो अभियान रैली में भाग लेते बच्चे

नवीन विद्यालयों की स्थापना

कुल विद्यालय

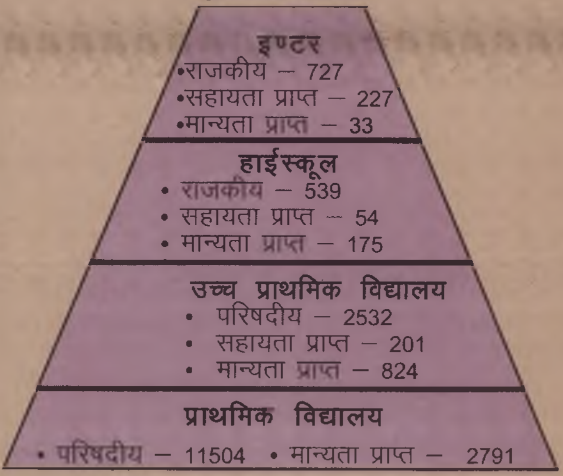

ऐसी बस्ती में जिसकी 1 किमी की परिधि में काई प्राथमिक स्तर शिक्षा सुविधा उपलब्ध नहीं है तथा उसकी आबादी 250 से अधिक है में प्राथमिक विद्यालय तथा जिस बस्ती के 2.5 किमी की परिधि में कोई उच्च प्राथमिक स्तरीय विद्यालयी सुविधा नहीं है व उसकी आबादी 500 से अधिक है, में एक उच्च प्राथमिक विद्यालय सुविधा प्रदान की जा रही है। इन नवीन विद्यालयों हेतु भवन, पेयजल, शौचालय के साथ ही शिक्षण अधिगम सामग्री हेतु प्रथम वर्ष में रु0 10000/– प्रति प्राथमिक विद्यालय तथा रु0 50000/– (पचास हजार रुपये) प्रति उच्च प्राथमिक विद्यालय अनुदान दिया जाता है।

नवीन प्राथमिक विद्यालय भवन

पूर्व से संचालित मॉडल स्कूलों तथा दशम वित्त आयोग के अन्तर्गत स्वीकृत विद्यालयों जिनमें अध्यापकों के पद सृजित नहीं थे, को सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत नवीन उच्च प्राथमिक विद्यालयों के रूप में संचालित किया जा रहा है।

नवीन विद्यालयों की स्थापना

क्र0 सं0	जनपद का नाम	प्रा0वि0	उ0प्रा0वि0	
			नवीन	मॉडल स्कूल
1	अल्मोड़ा	17	18	
2	बागेश्वर	32	26	
3	चम्पावत	28	25	
4	नैनीताल	10	10	17
5	ऊधमसिंह नगर	23	19	26
6	पिथौरागढ़	38	25	8
7	टिहरी	116	37	16
8	उत्तरकाशी	96	4	31
9	देहरादून	58	63	8
10	हरिद्वार	56	24	
11	चमोली	39	12	7
12	रुद्रप्रयाग	29	20	
13	पौड़ी	8	5	
	योग	550	288	113

शिक्षकों की नियुक्ति

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्रति नवीन प्राथमिक विद्यालय में कम से कम 01 नियमित प्रशिक्षित शिक्षक तथा 01 शिक्षा मित्र एवं नवीन उच्च प्राथमिक विद्यालय में तीन नियमित प्रशिक्षित शिक्षकों के पद स्वीकृत किये जाते हैं। पूर्व से संचालित विद्यालयों में शिक्षक छात्र अनुपात 1:40 के आधार पर अतिरिक्त शिक्षकों एवं शिक्षा मित्रों के पद सृजित किये गये है।

डी0पी0ई0पी0 परियोजनान्तर्गत प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में एक प्रधानाध्यापक तथा एक शिक्षा मित्र का पद सृजित किया गया है।

विद्यालयों में शिक्षकों के पद सृजन

क्र0 सं0	जनपद का नाम	प्रा0वि0		उ0प्रा0वि0 स0अ0
		अध्यापक	शिक्षा मित्र	
1	अल्मोड़ा	146	134	115
2	बागेश्वर	32	32	52
3	चम्पावत	28	28	84
4	नैनीताल	10	10	71
5	ऊधमसिंह नगर	70	70	123
6	पिथौरागढ़	38	38	74
7	टिहरी	116	116	122
8	उत्तरकाशी	96	96	103
9	देहरादून	58	58	184
10	हरिद्वार	56	56	87
11	चमोली	96	96	101
12	रुद्रप्रयाग	29	117	50
13	पौड़ी	96	96	312
	योग	871	947	1478

- *विशिष्ट बी0टी0सी0 के 2600 पदों पर चयन कर अभ्यर्थियों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया जा रहा है।*
- *विशिष्ट बी0टी0सी0 के अन्य 2400 पदों पर चयन प्रक्रिया जारी है।*
- *शिक्षा मित्रों के रिक्त पदों पर चयन प्रक्रिया जारी है।*

शिक्षा गारण्टी योजना तथा वैकल्पिक एवं नवाचारी शिक्षा

•6–14 वय वर्ग के विद्यालय से बाहर रह गये बच्चों को प्रारम्भिक शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा गारण्टी केन्द्र एवं वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र खोले गये हैं।

•ऐसे वंचित आवासीय क्षेत्रों जिनके 1 किमी की परिधि में कोई विद्यालय मौजूद नहीं है शिक्षा गारण्टी स्कूल संचालित करने की व्यवस्था की गयी है।

- पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा गारण्टी स्कूल खोलने हेतु भारत सरकार द्वारा 10 बच्चों का मानक निर्धारित किया गया है।

शिक्षा गारण्टी केन्द्र एवं वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र

क्र0 सं0	जनपद का नाम	संचालित शिक्षा गारण्टी केन्द्र	नये संचालित होने वाले शिक्षा गारण्टी केन्द्र	वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र
1	अल्मोड़ा	ग्राम शिक्षा समितियों से प्रस्ताव माँगे गये		
2	बागेश्वर	48		
3	चम्पावत	55	7	15
4	नैनीताल	74		
5	ऊधमसिंह नगर	42	24	
6	पिथौरागढ़	100		18
7	टिहरी	226		14
8	उत्तरकाशी	121	13	9
9	देहरादून	38		
10	हरिद्वार	28	22	21
11	चमोली	11	48	
12	रुद्रप्रयाग		38	
13	पौड़ी		33	
	योग	743	185	77

- शिक्षा गारण्टी केन्द्र और वैकल्पिक एवं नवाचारी शिक्षा केन्द्र निम्न द्वारा संचालित किये जा रहे हैं :-

(1) शिक्षा विभाग राज्य सरकार

(2) स्वैच्छिक संस्थायें

(3) स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित जिला संसाधन इकाइयों के प्रयोगात्मक परियोजनाओं के अन्तर्गत

- केन्द्र में आचार्य जी की नियुक्ति एवं संचालन ग्राम शिक्षा समिति के द्वारा किया जा रहा है।
- प्राथमिक स्तर पर संचालित शिक्षा केन्द्र के लिए प्रति केन्द्र लागत रू0 845/- प्रति बच्चा तथा उच्च प्राथमिक स्तर के लिए रू0 1200/- प्रति बच्चा प्रतिवर्ष निर्धारित है।
- विशिष्ठ बच्चों के सन्दर्भ में आवाशीय शिविर/वैकल्पिक नवाचारी शिक्षा केन्द्रों के लिए रू0 30000/- प्रति बच्चा प्रतिवर्ष तक भारत सरकार के अनुमोदनोपरान्त व्यय किया जा सकता है।

सामुदायिक सहभागिता

विद्यालय प्रबन्धन समिति की बैठक

- परियोजना कार्यक्रमों में जनसहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक विकास खण्ड में शिक्षाविद, जनप्रतिनिधि, शिक्षक एवं स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों का विकासखण्ड सन्दर्भ समूह (**BRG**) गठित किया गया है।
- ग्राम स्तर पर ग्राम शिक्षा समिति तथा विद्यालय स्तर पर विद्यालय प्रबन्धन समितियों का गठन किया गया है।
- इन समितियों के सदस्यों के प्रशिक्षण के लिए "**प्रशिक्षण मंजूषा, बढ़ते कदम**" प्रशिक्षण माड्यूल तथा

"हस्त पुस्तिका" तैयार की गयी है। इन माड्यूल के आधार पर सदस्यों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

ग्राम शिक्षा समिति/विद्यालय प्रबन्धन समिति द्वारा निर्माण कार्य, ई0जी0एस0/ए0एस0 केन्द्रों का संचालन, घर–घर सर्वेक्षण, मध्याह्न भोजन योजना तथा माइक्रोप्लानिंग एवं स्कूल मैपिंग का कार्य किया जा रहा है।

बालिका शिक्षा

आदर्श संकुलों का चयन (MODEL CLUSTER)

ममता समूह के सदस्यों का प्रशिक्षण

- बालिका शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु न्यूनतम महिला साक्षरता दर वाले विकासखण्डों में 85 न्याय पंचायतों का चयन करके एवं आदर्श संकुल (MC) स्थापित किये गये हैं।
- आदर्श संकुलों के प्राथमिक विद्यालयों में छात्र ट्रेकिंग का कार्य किया जा रहा है। मासिक उपस्थिति तुलनात्मक चार्ट तैयार कराये गये है।
- अध्यापक लिंग संवेदीकरण प्रशिक्षण माड्यूल विकसित कर अध्यापकों को प्रशिक्षित किया जाता है।
- जनपद टिहरी एवं हरिद्वार के 17 प्राथमिक विद्यालयों एवं 04 वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों में **"कक्षा की संस्कृति एवं प्रक्रिया"** पर **"राज्य स्तरीय अध्ययन 2001"** का क्षेत्रीय कार्य एवं विश्लेषण किया गया, जिसका उपयोग शिक्षक प्रशिक्षण में बालिका शिक्षा संवेदीकरण हेतु किया जा रहा है।
- बालिका शिक्षा को प्रोतसाहित करने हेतु माता–शिक्षक एवं प्रेरक समूह (ममता) संघों का गठन किया गया है।
- ममता समूह के सदस्यों के प्रशिक्षण के लिए **'आशा माडयूल'** विकसित किया गया है। इस माड्यूल के द्वारा 232 एम0टी0 एव 10141 ममता समूहों के सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है।
- बालिका शिक्षा सम्बर्द्धन हेतु 1 मिनट की फिल्म/स्पोट तैयार किया गया है तथा इस का प्रदर्शन सामुदायिक नेतृत्व के प्रशिक्षण में किया जाता है।

माता–शिक्षक एवं प्रेरक समूह (ममता) *संघों द्वारा विद्यालयों में गेट, चाहरदीवारी, टिनशेड का निर्माण, पेयजल व्यवस्था तथा मैदान समतलीकरण, एकल अध्यापकीय विद्यालयों में समूह के सदस्यों द्वारा शिक्षण कार्य में सहयोग का कार्य किया जा रहा है।*

प्रारम्भिक स्तर पर बालिकाओं की शिक्षा के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPEGEL)

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत बालिकाओं को प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु अतिरिक्त कार्यक्रम है। कार्यक्रम का संचालन 38 न्यून महिला साक्षरता दर वाले विकासखण्डों में किया जा रहा है। चयनित विकासखण्डों में 299 आदर्श संकुल विद्यालय स्थापित किये जा रहे हैं। जिसमें बालिका मित्र वातावरण तैयार किये जाने के लिए विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध करायी जा रही है।

व्यवसायिक शिक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला

- एन0पी0ई0जी0ई0एल0 का शुभारम्भ 1 अक्टूबर, 2003 को मा0 शिक्षा मंत्री, उत्तरांचल शासन द्वारा जनपद हरिद्वार के विकासखण्ड लक्सर के संकुल विद्यालय भोगपुर में किया गया है।
- आदर्श संकुलों में अतिरिक्त कक्षा–कक्ष, शौचालय, पेयजल संयोजन एवं बिजली आदि कार्य के लिए रु0 2 लाख का अनुदान दिया जा रहा है। (एक बार)
- शिक्षण अधिगम सामग्री, पुस्तकालय, साज–सज्जा एवं खेल सामग्री हेतु रु0 30 हजार का प्राविधान है। (एक बार)
- विभिन्न नवाचारी कार्यक्रमों के संचालन हेतु प्रत्येक आदर्श संकुल विद्यालयों को प्रतिवर्ष रु0 60 हजार दिये जाने का प्राविधान है।

नवाचारी कार्यक्रम

बालिकाओं द्वारा स्वनिर्मित उत्पादों का विक्रय

- सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत बालिकाओं, अनुसूचित जाति, एवं जनजाति के बच्चों, उच्च प्राथमिक स्तरीय बच्चों के लिए कम्प्यूटर एडेड लर्निंग कार्यक्रम तथा पूर्व प्राथमिक शिक्षा के लिए नवाचारी कार्यक्रम किये जाने का प्राविधान है।
- इन कार्यक्रमों के लिए प्रतिजनपद प्रतिवर्ष अधिकतम रु0 50 लाख की धनराशि दी जाती है, लेकिन एक कार्यक्रम के लिए अधिकतम रु0 15 लाख की धनराशि स्वीकृत की जाती है।
- प्रदेश में निम्नलिखित नवाचारी कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

प्रारम्भिक शिशु देखभाल एवं शिक्षा केन्द्र (ECCE)

आई0सी0डी0एस0 (ICDS) द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों के साथ समन्वय स्थापित कर इन केन्द्रों को प्रारम्भिक शिशु देखभाल एवं शिक्षा केन्द्र (ECCE) के रूप में विकसित किया गया है। इन केन्द्रों को प्राथमिक विद्यालय के परिसर में ही संचालित किया जा रहा है तथा प्राथमिक विद्यालय एवं ई0सी0सी0ई0 केन्द्रों का संचालन समय एक ही है।

संचालित ई0सी0सी0ई0 केन्द्र

- स्वयं सेवी संस्था उत्तराखण्ड सेवा निधि एवं पर्यावरण शिक्षा संस्थान अल्मोड़ा द्वारा जनपद अल्मोड़ा में 71 बालवाड़ी केन्द्रों को ई0सी0सी0ई0 केन्द्र के रूप में संचालित किया जा रहा है।
- ई0सी0सी0ई0 केन्द्रों की कार्यकत्री को अतिरिक्त मानदेय रू0 250/– तथा सहायिका को रू0 125/– दिया जा रहा है।
- ई0सी0सी0ई0 केन्द्रों को रू0 5000/– एक मुश्त खेल खिलौने हेतु तथा रू0 1500/– आकस्मिक व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध करायी गयी है।
- जनपद चम्पावत में 03 ई0जी0एस0 केन्द्रों के साथ ई0सी0सी0ई0 केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं।

संचालित ई0सी0सी0ई0 केन्द्र

क्र0 सं0	जनपद का नाम	लक्ष्य	संचालित केन्द्र
1	बागेश्वर	185	185
2	चम्पावत	40	39
3	पिथौरागढ़	150	150
4	टिहरी	200	196
5	उत्तरकाशी	85	83
6	हरिद्वार	175	172
7	अल्मोड़ा	71	71
8	नैनीताल	100	87
9	ऊधमसिंह नगर	70	69
10	देहरादून	40	40
11	चमोली	131	131
12	रुद्रप्रयाग	96	80
13	पौड़ी	183	175
	योग	1526	1478

साहसिक खेलों का प्रशिक्षण

ओली में स्कीइंग प्रशिक्षण लेते बच्चे

बालिकाओं एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति के बालकों को साहसिक खेलों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। वर्ष 2003–04 में जनपद चमोली में 20 बालिकाओं एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति के बालकों को ओली में 10 दिवसीय स्कीइंग प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वर्ष 2004–05 में जनपदों द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के बालकों/बालिकाओं को स्कीइंग एवं पैराग्लाइडिग का प्रशिक्षण दिया जाना प्रस्तावित है।

कार्यानुभव प्रशिक्षण

विद्यालय में बालिकाओं की नियमित उपस्थिति को प्रोत्साहित करने हेतु एवं जवीन उपयोगी कौशलों का विकास करने के उद्देश्य से स्थानीय आवश्यकता एवं सामग्री की उपलब्धता के अनुसार वर्ष 2003–04 में बालिकाओं को चॉक, मोमबत्ती बनाना, जेम–जैली एवं जूस बनाना, सिलाई–कढ़ाई, एम्बोस एवं ग्लास पेंटिग तथा सॉफ्ट टायस बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

परियोजनान्तर्गत नवाचारी कार्यक्रम

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्यक्रम का नाम	कुल विद्यालयों	लाभान्वित बच्चों की संख्या
1	2	3	4	5
1	चमोली	फल प्रसंस्करण	7	562
		एम्बोस एवं ग्लास पेंटिग	2	96
		ओली स्कीईंग प्रशिक्षण	5	148
		जागरूकता कार्यक्रमों का निर्माण	1	0
2	हरिद्वार	निदानात्मक शिक्षण	30	5518
3	चम्पावत	सॉफ्ट टायज निर्माण	13	86
4	नैनीताल	मोमबत्ती, चॉक निर्माण एवं सिलाई कढ़ाई	20	1550

निदानात्मक शिक्षण

विषय विशेष में कमजोर बालिकाओं तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के बालकों के लिए निदानात्मक शिक्षण की व्यवस्था की गयी है। वर्ष 2003–04 में जनपद हरिद्वार के 30 विद्यालयों में कुल 5518 बच्चों को निदानात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

कम्प्यूटर एडेड लर्निंग

उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कम्प्यूटर एडेड लर्निंग कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। इसके कार्यक्रम के प्रथम चरण वर्ष 2003–04 में ज़नपदों के प्रत्येक विकासखण्ड स्तर एवं संकुल स्तर (अधिकतम 15 विद्यालय प्रति जनपद) के चयनित उच्च प्राथमिक विद्यालय में कम्प्यूटर हार्डवेयर उपलब्ध कराये गये हैं। आगामी प्रतिवर्ष लगभग 150 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में यह कार्यक्रम नियमित रूप से विस्तारित किया जाता रहेगा।

अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन बंगलौर द्वारा इन विद्यालयों हेतु पाठ्यक्रम आधारित सॉफ्टवेयर (सी0डी0) तथा प्रति विद्यालय दो शिक्षकों को प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जा रहा है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में कम्प्यूटर प्रयोगशालायें स्थापित की गयी हैं। इनका उपयोग शिक्षक प्रशिक्षण तथा सी0डी0 संवर्द्धन हेतु किया जा रहा है। चयनित 120 उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए 15 सी0डी0 का सेट अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन द्वारा निःशुल्क प्रदान किया गया है तथा विभिन्न विषयों की अन्य 20 सी0डी0 को उत्तरांचल के परिप्रेक्ष्य में संवर्द्धित किया गया है।

कम्प्यूटर एडेड लर्निंग कार्यक्रम

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कुल विद्यालय	हार्डवेयर
1	अल्मोड़ा	12	23
2	बागेश्वर	10	20
3	चम्पावत	8	16
4	नेनीताल	7	14
5	ऊधमसिंह नगर	10	20
6	पिथौरागढ़	8	15
7	टिहरी	9	16
8	उत्तरकाशी	10	21
9	देहरादून	9	17
10	हरिद्वार	6	27
11	चमोली	9	18
12	रुद्रप्रयाग	5	10
13	पौड़ी	15	24
	योग	118	241

चयनित विद्यालयों में विद्युत व्यवस्था, कम्प्यूटर कक्ष की साज–सज्जा तथा सुरक्षा व्यवस्था सम्बन्धित ग्राम शिक्षा समिति/विद्यालय प्रबन्धन समिति द्वारा की जा रही है। जुलाई माह के द्वितीय सप्ताह से यह कार्यक्रम समस्त जनपदों में प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है। समस्त राजकीय हाईस्कूल तथा इण्टरमीडिएट कालेजों में कम्प्यूटर शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत 5–8 कम्प्यूटर प्रति विद्यालय उपलब्ध कराये गये हैं। द्वितीय चरण में इन कालेजों के कक्षा 6, 7 व 8 के विद्यार्थियों को भी इस कार्यक्रम से लाभान्वित किया जायेगा। पाठ्यक्रम आधारित सी0डी0 उत्तरांचल में ही तैयार करने हेतु एक राज्य स्तरीय संदर्भ समूह का गठन किया गया हैं जिसे अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण एवं तकनीकी सलाह निःशुल्क प्रदान की जा रही है।

कुंजापुरी बहुकक्षा शिक्षण पैटर्न

बहुकक्षा शिक्षण द्वारा सीखते बच्चे

- प्रदेश के ऐसे प्राथमिक विद्यालयों में जहाँ 20 से 30 छात्र संख्या तथा एकल अध्यापक हो में शिक्षा की गुणवत्ता को बनाये रखना परियोजनान्तर्गत एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया गया है।
- ऐसे विद्यालयों में बहुकक्षा व बहुस्तरीय शिक्षण के लिए **कुंजापुरी नवाचारी कार्यक्रम** को संचालित किया जा रहे हैं।
- इस विधा में विषय वस्तु को लर्निंग कार्ड, चित्र युक्त सीढ़ी, समूह में सीखना, स्वयं करके सीखना, शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रयोग तथा शिक्षक अधिगम सहायक के रूप में कार्य करता है।

यह पैटर्न पायलट रूप में जनपद पिथौरागढ़, टिहरी एवं उत्तरकाशी के 10–10 विद्यालयों की कक्षा 1 व 2 में संचालित किया जा रहा है। इस विधा के अन्तर्गत बच्चे सामान्य विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की अपेक्षा तेजी से सीख रहे हैं तथा इनका सम्प्राप्ति स्तर भी उत्तम है।

गुणवत्ता संवर्द्धन हेतु कार्यक्रम

- सभी बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने हेतु संकुल स्तर से राज्य स्तर तक अकादमिक संस्थाओं का गठन/संवर्द्धन किया गया है।

पाठ्यपुस्तकों का विकास

- प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तरीय पाठ्यक्रम को एन0सी0ई0आर0टी के मानकानुसार उत्तरांचल के परिपेक्षय में संवर्द्धित किया गया है। इस पाठ्यक्रम पर आधारित उत्तरांचल के स्थानीय परिवेश के सम्बोधों को सम्मिलित करते हुये कक्षा 1 से 5 तक के समस्त पुस्तकों तथा कक्षा 6 से 8 की भाषा, विज्ञान इतिहास व भूगोल विषयों की पाठ्यपुस्तकों का विकास किया गया है।
- कक्षा 1 से अंग्रेजी विषय को प्रारम्भ किया गया है इसके लिए अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक का विकास किया गया है।

संकुल संसाधन केन्द्र (CRC)

- 10 से 12 प्राथमिक विद्यालयों पर 01 संकुल संसाधन केन्द्र की स्थापना की गयी है।
- प्रत्येक संकुल संसाधन केन्द्र में 01 संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक की नियुक्ति कर दी गयी है।
- प्रदेश में 826 संकुल संसाधन केन्द्रों की स्थापना व समन्वयकों की नियुक्ति की गयी है। संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक द्वारा प्रत्येक माह संकुल के समस्त विद्यालयों का अनुश्रवण तथा प्रत्येक तिमाही में विद्यालय कोटिकरण किया जा रहा है ?

ब्लाक संसाधन केन्द्र (BRC)

- अध्यापकों को शैक्षिक क्रियाकलापों में सहयोग प्रदान करने हेतु प्रत्येक विकासखण्ड में ब्लाक संसाधन केन्द्रों की स्थापना तथा प्रत्येक ब्लाक संसाधन केन्द्र में 01 ब्लाक संसाधन केन्द्र समन्वयक व 02 सहायक समन्वयकों की नियुक्ति की गयी है।
- राज्य में 95 ब्लाक संसाधन केन्द्र समन्वयकों तथा 160 सह–समन्वयकों की नियुक्ति की गयी है।
- ब्लाक संसाधन केन्द्र समन्वयक द्वारा प्रतिमाह अपने विकासखण्ड के कम से कम 15 विद्यालयों एवं प्रत्येक संकुल संसाधन केन्द्र का अनुश्रवण किया जाता है।
- सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण सहित समस्त परियोजना कार्यक्रमों का बी0आर0सी0 पर अनुश्रवण किया जाता है व कार्यक्रम क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का निदान किया जाता है।

अध्यापक प्रशिक्षण

राज्य में प्रशिक्षित अध्यापकों का विवरण

वर्ष	डी0पी0ई0पी0	एस0एस0ए0
2001–02	8145	–
2002–03	5770	11332
2003–04	4799	6545

वर्ष 2003–04 में सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण जारी है।

- प्रभावी शिक्षण के लिए आवश्यक होता है कि शिक्षक को शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में प्रयुक्त होने वाले नवाचारों से अवगत कराया जाये। इस हेतु नियमित सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है। परियोजनान्तर्गत सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण के तीन चरण पूर्ण हो चुके हैं। प्रथम चरण में नवीन पाठ्यक्रम पर विकसित पाठ्यपुस्तकों में जोड़े गये नये संबोधों एवं विषयवस्तु पर आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल **'साधन'** के द्वारा समस्त प्राथमिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। द्वितीय चरण में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम एवं सर्व शिक्षा अभियान के उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों यथा बालिका शिक्षा, समेकित शिक्षा के प्रति संवेदीकरण, शिक्षा में समुदाय की सहभागिता, मूल्यांकन तथा पाठ्यवस्तु में चयनित कठिन स्थलों पर स्व–निर्देशित प्रशिक्षण मॉड्यूल **'समाधान'** विकसित कर समस्त शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। तृतीय चरण में गणित, विज्ञान, भाषा, संस्कृत तथा अंग्रेजी विषयों में कठिन स्थलों पर प्रशिक्षण मॉड्यूल राज्य सन्दर्भ समूह द्वारा विकसित किया गया है, जिस पर प्राथमिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षा मित्रों के लिए 30 दिनों का सेवापूर्व प्रशिक्षण तथा प्रतिवर्ष 15 दिवसीय पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बी0आर0सी0 / सी0आर0सी0 समन्वयकों का प्रशिक्षण

- परियोजना कार्यों को प्रभावी रूप से नियोजित, क्रियान्वित तथा अनुश्रवण करने हेतु बी0आर0सी0 / सी0आर0सी0 समन्वयकों को नियमित प्रशिक्षण दिया जाता है। इस हेतु प्रशिक्षण माड्यूल **'संवाद'** विकसित किया गया है तथा इसके द्वारा समस्त बी0आर0सी0 व सी0आर0सी0 समन्वयकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

विद्यालय विकास अनुदान

- प्रत्येक राजकीय एवं वित्तीय मान्यता प्राप्त प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट कालेज को विद्यालयी सौन्दर्यीकरण, शिक्षण अधिगम उपकरण, लघु मरम्मत कार्य एवं स्वच्छता कार्यक्रमों के लिए रु0 2000/- प्रति विद्यालय प्रति वर्ष की दर से विद्यालय अनुदान वितरित किया जाता है।

विद्यालय विकास अनुदान

वर्ष	डी0पी0ई0पी		एस0एस0ए0	
	विद्यालय अनुदान	अध्यापक अनुदान	विद्यालय अनुदान	अध्यापक अनुदान
2001–02	4329	8345	–	–
2002–03	4431	8567	8761	11643
2003–04	4427	7989	8761	11643

अध्यापक अनुदान

- कक्षा कक्ष प्रक्रिया को सुरुचिपूर्ण बनाने तथा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को गतिविधि आधारित बनाने तथा सीखने की प्रक्रिया में बच्चों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विषयवस्तु के शिक्षण हेतु शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री (TLM) की महत्वपूर्ण भूमिका है। अध्यापकों के द्वारा विषयवस्तु के साथ समसामयिक शिक्षण सहायक सामग्री के अनुप्रयोग और उसके निर्माण हेतु प्राथमिक, उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के साथ हाईस्कूल एवं इण्टरकालेजों के उन 3–3 शिक्षकों को भी यह अनुदान वितरित किया जा रहा है जो 6–8 कक्षाओं में शिक्षण कार्य कर रहे हैं। शिक्षक अनुदान के रूप में प्रत्येक शिक्षक को 500 रु0 की धनराशि प्रतिवर्ष आवंटित की जा रही है।

निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण

निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण

क्र0 सं0	वर्ष	डी0पी0ई0पी के अन्तर्गत वितरण	एस0एस0ए0 के अन्तर्गत वितरण	राज्य सरकार के अन्तर्गत विवरण
1	2002–03	318690	426045	166497
2	2003–04	241651	651723	600436

राजकीय एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों के सभी कक्षा 1 से 8 तक पढ़ने वाली बालिकाओं, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के बालकों को परियोजनान्तर्गत तथा शेष सामान्य वर्ग के बालकों को राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध करायी जाती हैं।

समेकित शिक्षा कार्यक्रम

राज्य के बच्चों की जनसंख्या में कुछ बच्चे शारीरिक अथवा मानसिक विकलांगता के कारण विद्यालयी शिक्षा से वंचित रह जाते है या फिर बीच सत्र में विद्यालय छोड़ देते है। माता–पिता, शिक्षकों एवं 6 से 8 आयुवर्ग के सभी ऐसे बच्चों को चिह्नांकित कर उन्हें न केवल विद्यालयों में नामांकित कराना वरन् उन्हें उनकी कठिनाईयों के अनुरूप तथा उनकी क्षमताओं को पहचानकर विद्यालय में अनुकूल वातावरण देकर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ने का कार्य समेकित शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत किया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य निम्नवत् है–

क्र0सं0	विकलांगता	बालक	बालिका	योग
1	दृष्टिवाधित	839	846	1685
2	श्रवणवाधित	1210	1191	2401
3	अस्थि विकलांग	4613	3763	8376
4	मानसिक विकलांग	788	817	1605
5	अधिगम	2171	2070	4241
6	अन्य	636	388	1024
	कुल योग	**10257**	**9075**	**19332**

विकलांगता शिविर में निःशुल्क उपकरण वितरण

- विशेष अवश्यकता वाले बच्चे भी सामान्य बच्चों के साथ ही पढ़े ताकि उनका स्वाभाविक विकास हो।
- विद्यालय में अधिगम का वातावरण उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप तथा बाधा मुक्त तैयार करना।
- अध्यापकों / प्रधानाध्यापकों / अधिकारियों को उनकी क्षमता पहचानने तथा उसी के अनुसार शिक्षा प्रबन्ध करने हेतु विशेष प्रशिक्षण देना।
- बच्चों की चलन, श्रवण तथा दृष्टि क्षमता बढ़ाने हेतु परीक्षण शिविर आयोजित करके उन्हें निःशुल्क सहायता उपकरण तथा यन्त्र उपलब्ध कराना।

क्र0 सं0	आयोजित कार्यक्रम	संख्या
1	राज्य में आयोजित परीक्षण शिविर कुल संचया	61
2	उपकरण जिन बच्चों को निःशुल्क वितरित उन की संख्या	7454
3	कुल परीक्षित बच्चों की संख्या	9045
4	बच्चे जिन्हें विकलांगता प्रमाण–पत्र उपलब्ध कराये गये	6897
5	अभिभावक जिन्हें परमार्श प्रदान किया गया	12647
6	अध्यापक जिन्हे समेकित शिक्षा सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया गया	22468
7	कार्याशाला आयोजित	18
8	समुदाय अभिप्रेरण सम्बन्धी प्रचार सामग्री का मुद्रण	5
9	लघु शोध कार्य	2

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम

शिक्षा में शिक्षण अधिगम क्रिया को सरल, रुचिकर, प्रभावशाली एवं अद्यतन बनाने हेतु शिक्षण शिरा (Teaching End) व अधिगम शिरा (Learning End) में दूरी होते हुये भी दूरस्थ शिक्षा एक ऐसी विधा है जिससे लाभार्थी स्वयं पढ़कर, सुनकर, देखकर व स्वनिर्देशित होकर कम से कम समय में शिक्षण या प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

जैसे– स्वनिर्देशित सामग्री (SIM), आडियो / रेडियो, वीडियो, टेलिकान्फ्रेसिंग / वीडियो कान्फ्रेसिंग।

दूरस्थ शिक्षा प्रशिक्षण मॉड्यूल निर्माण कार्यशाला

- दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु शिक्षा विदों, समाज सेवियों, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, एन0आई0डी0 अहमदाबाद के विशेषज्ञों को सम्मिलित करते हुए राज्य सन्दर्भ समूह का गठन किया गया है।
- राज्य के 04 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों तथा राज्य परियोजना कार्यालय में डी0ई0पी0 इग्नू के सौजन्य से डी0आर0 सैट्स स्थापित किये गये हैं। इन सैटों के माध्यम से जनपदों में टेलीकान्फ्रेसिंग कार्यक्रम सम्पन्न किये जायेंगे।
- शिक्षकों की क्षमता विकास हेतु स्व–अधिगम शिक्षण सामग्री एवं प्रशिक्षण माड्यूलों का विकास किया गया है। इस सामग्री का उपयोग सामान्य बच्चों के साथ ही विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाये जाने में किया जा रहा है।
- शिक्षा में श्रव्य–दृश्य सामग्री का अभिनव प्रयोग करने हेतु एन0आई0डी0 अहमदाबाद द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया है। इलेक्ट्रानिक मीडिया के द्वारा शिक्षण अधिगम को प्रभावीशाली बनाने हेतु आडियो, रेडियो तथा वीडियो स्क्रीप्ट राइटिंग प्रशिक्षण शिक्षकों को दिया गया है।
- शिक्षा में जन सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए ई0एम0पी0सी0, इग्नू, नई दिल्ली के सौजन्य से ग्राम शिक्षा समिति, स्कूल प्रबन्ध समिति, पंचायत सदस्यों तथा परियोजना अभिकर्मियों के साथ टेलीकान्फ्रेंसिग के माध्यम से वार्ता की गयी।

शैक्षिक सूचना प्रबन्धन तंत्र (ई0एम0आई0एस0)

- प्रतिवर्ष प्रत्येक विद्यालय द्वारा ई0एम0आई0एस0 प्रपत्र पर भौतिक एवं शैक्षिक सूचनाओं का संग्रह किया जाता है तथा इन सूचनाओं को जिला स्तर पर डायस (DISE) सॉफ्टवेयर में विश्लेषण किया जाता है व राज्य स्तर पर संकलित कर केन्द्र को भेजा जाता है। इन सूचनाओं का प्रयोग जनपदों की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट निर्माण में किया जाता है।

कार्यक्रम अनुश्रवण

- परियोजना कार्यक्रमों का राज्य स्तर पर निम्नवत् नियमित अनुश्रवण किया जाता है।

प्रत्येक माह अपर मुख्य सचिव द्वारा कार्यक्रम अनुश्रवण समिति की मासिक बैठक व वीडियो कान्फ्रेंसिग के माध्यम से जिलाधिकारियों, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना अधिकारी तथा अन्य परियोजना अभिकर्मियों से कार्यक्रम प्रगति की जानकारी व क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का समाधान किया जाता है।

1. प्रतिमाह राज्य परियोजना निदेशक द्वारा समस्त अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक), प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की मासिक अनुश्रवण बैठक आयोजित की जाती है।
2. भारत सरकार द्वारा विकसित प्रोजेक्ट मैनेजमेंट इन्फारमेंशन सिस्टम (PMIS) प्रपत्रों पर भौतिक, वित्तीय एवं अकादमी कार्यों का मासिक, त्रैमासिक व वार्षिक अनुश्रवण विद्यालय स्तर से राज्य स्तर तक किया जाता है।

निर्माण कार्य

- परियोजनान्तर्गत प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में नवीन भवन निर्माण/पुनर्निमाण, अतिरिक्त कक्षा कक्ष, पेयजल, शौचालय व चाहरदीवारी का निर्माण किया जा रहा है।

निर्माण कार्य संदर्शिका का अपर मुख्य सचिव, उत्तरांचल द्वारा विमोचन

- केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (CBRI) रुड़की द्वारा क्षेत्र के सर्वेक्षणों परान्त भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप भूकम्परोधी भवन मानचित्र तैयार किये गये हैं।
- निर्माण कार्य ग्राम शिक्षा समिति द्वारा किये जा रहे हैं।
- सी0बी0आर0आई0 रुड़की द्वारा ग्राम शिक्षा समिति सदस्यों व मिस्त्रियों को निर्माण कार्य प्रशिक्षण दिया गया है।

निर्माण कार्य

क्र0 सं0	निर्माण कार्य	प्रगति		
		लक्ष्य	पूर्ण	निर्माणाधीन
1	नवीन निर्माण प्रा0वि0	493	317	158
2	नवीन निर्माण उ0प्रा0वि0	193	31	148
3	पुनर्निर्माण प्रा0वि0	547	350	193
4	पुनर्निर्माण उ0प्रा0वि0	176	9	124
5	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	1919	1518	419
6	चाहरदीवारी प्रा0वि0	493	456	37
7	चाहरदीवारी उ0प्रा0वि0	424	375	44
8	शौचालय प्रा0वि0	2309	654	67
9	शौचालय उ0प्रा0वि0	726	607	87
10	पेयजल प्रा0वि0	2033	989	514
11	पेयजल उ0प्रा0वि0	505	182	124
12	बी0आर0सी	57	28	24
13	सी0आर0सी	364	9	19

- तकनीकी पर्यवेक्षण हेतु विकासखण्ड स्तर पर सरकारी/अनुबन्ध पर अवर अभियंता नियुक्त किये गये हैं।
- जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत बी0आर0सी0 भवन निर्माण, उ0प्र0 पेयजल निर्माण उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम देहरादून द्वारा किया जा रहा है।

परियोजना के अन्तर्गत निर्माण कार्यों की झलक

नवीन प्राथमिक विद्यालय भवन

निर्माणाधीन शौचालय

निर्माणाधीन प्राथमिक विद्यालय भवन

नव–निर्मित अतिरिक्त कक्षा–कक्ष

निर्माणाधीन प्राथमिक विद्यालय भवन

निर्माणाधीन उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन

निर्माणाधीन उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन

वित्तीय प्रगति

सर्व शिक्षा अभियान

उपलब्ध धनराशि एवं व्यय का वर्षवार विवरण

(रू0 करोड में)

क्र0 सं0	वित्तीय वर्ष	गत वर्ष का अवशेष	उपलब्ध धनराशि			कुल उपलब्ध धनराशि (6+3)	व्यय धनराशि	उपलब्ध धनराशि के सापेक्ष व्यय का प्रतिशत (%)
			केन्द्रांश	राज्यांश	योग			
1	* 2	3	4	5	6	7	8	9
1	2001-2002		10.00	1.76	11.76	11.76	0.00	0.00
2	2002-2003	11.76	21.53	12.04	33.57	45.33	18.56	40.94
3	2003-2004	26.77	35.05	11.68	46.73	73.50	65.67	89.35
4	2004-2005	7.83	16.00		16.00	23.83	1.17	4.91
	योग		**82.58**	**25.48**	**108.06**		**85.40**	

* मार्च, 2002 अन्तिम सप्ताह में राज्य परियोजना कार्यालय को प्राप्तु हई।

* रू0 16.00 करोड़ केन्द्रांश माह मई, 2004 में प्राप्त।

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम–III

उपलब्ध धनराशि एवं व्यय का वर्षवार विवरण

(रू0 करोड़ में)

क्र0सं0	वित्तीय वर्ष	गत वर्ष का अवशेष	उपलब्ध धनराशि			कुल उपलब्ध धनराशि (6+3)	व्यय धनराशि	उपलब्ध धनराशि के सापेक्ष व्यय का प्रतिशत (%)
			केन्द्रांश	राज्यांश	योग			
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2000-2001		9.11	2.61	11.72	11.72	8.55	72.95
2	2001-2002	3.17	16.00	3.56	19.56	22.73	16.65	73.25
3	2002-2003	6.08	17.00	3.00	20.00	26.08	17.93	68.75
4	2003-2004	8.15	16.52	2.92	19.44	27.59	20.24	73.36
5	2004-2005	7.35	-	-	0.00	7.35	0.72	9.80
	योग		**58.63**	**12.09**	**70.72**		**64.09**	

National Institute of Educational Planning and Administration, 17-B, Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016 DOC, No D-12442
NIEPA DC
D12442